

प्रारूप-3

भाग-2 (संबंधित उप वन संरक्षक द्वारा भरा जाएगा)

16. परियोजना या रकीम की अवश्यिता:

(i) राज्य/राज्यराज्यक्षेत्र

उत्तराखण्ड

(ii) जिला

अल्मोड़ा

(iii) जिला वन प्रभाग

अल्मोड़ा वन प्रभाग

(iv) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र

17. पूर्वेक्षण के लिए पहचानी गई वन भूमि की विधिक प्रारिश्यता:

अमासी, वन पंचायत - सिविल

18. अपवर्जन के लिए प्रस्तावित वन भूमि में उपलब्ध वनरप्ति का ब्योरा

सलग्न है।

(i) वन का प्रकार

खुलाई-

(ii) वनरप्ति का औसत पूर्ण धनत्वा

०.४

(iii) प्रजातिवार रसायनीय या वैज्ञानिक नाम और चिह्न जाने के लिए अपेक्षित वृक्षों की पारेगणना

लिंग-१

(iv) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि के लिए कार्यकरण योजना का नुस्खा

लिंग-१

19. भूक्षरण के लिए पूर्वेक्षण हेतु उपयोग की जाने वाली वन भूमि की रथलाकृति और क्षीणता पर संक्षिप्त टिप्पणी

20. वन भूमि की सीमा से पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी :

०

21. वन्य जीव की दृष्टि से पूर्वेक्षण में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्वा :

(i) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का ब्योरा :

(ii) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव अत्याधिक गलियारे आदि के भाग का निर्माण करते हैं (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्योरे और उपावद्व किए जाने में मुख्य वन्य जीव वार्डन की ओर टीका-टिप्पणियों उपावद्व की जाए)

(iii) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दस कि.मी. के भीतर अवश्यित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्योरे और मुख्य वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपावद्व की जाए)

(iv) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे तथा जीव उद्यान आदि पूर्वेक्षण के लिए उपयोगित की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक कि.मी. के भीतर अवश्यित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्योरे और मुख्य वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपावद्व की जाए)

(v) क्या क्षेत्र में वनरप्ति और जीव जंतु के अलग या खतरे में अलग किसी चैर खतरे की प्रजातियां हैं, यदि हैं तो उसके ब्योरे

22. क्या क्षेत्र में कोई संरक्षित पुरातत्वीय या विशेषता रथल या प्राचीनकालीन रथापन या काई महत्वपूर्ण सेस्मारक अवश्यित है (यदि ऐसा है तो उपावद्व किए जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनार्पति प्रमाण-पत्र (एन ओ री) के साथ उसका ब्योरा दें) नहीं

23. पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के विस्तार की युक्तियुक्ता के बारे में टीका टिप्पणियां हैं :

(i) क्या भाग- 1 के पैरा 6 और पैरा 7 में प्रयोग्यता अभिकरण द्वारा यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिवर्त्य है और परियोजना के लिए अति चून्तम है। अप्रैक्षर्त्त व वृत्तम् है।

(ii) यदि नहीं तो वन भूमि के सिफारिश किए गए क्षेत्र जिसके पूर्वक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।

24. किए गए अतिक्रमण के ब्यौरे : — लाइन नहीं

(i) क्या अधिनियम या अधिनियम के अधीन मार्गदर्शक सिद्धांतों के अतिक्रमण में विस्तृत कार्य को किया गया है (हाँ / नहीं)

(ii) यदि हां, की गई कार्य अवधि, अतिकमण में अंतर्वलित वन शृगे, अतिकमण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) का नाम, पते और पदनाम सहित अतिकमण के बारे और अतिकमण के लिए उत्तरदायी के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) के विरुद्ध की गई कार्यवाही

(iii) व्यापक सम्बन्ध में कार्य अवधि भी प्रगति में है (हाँ/नहाँ)

26. क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यारे : संलग्न है।

(i) क्षतिपूरक धनरोपण बढ़ाने के लिए पहचान की गई वन भूमि की विधिक प्राप्ति।

(ii) अवारेथति, सर्वेक्षण या कम्पार्टमेंट या खसरा सख्त्या क्षेत्र और क्षतिपूरक बनागपण क्षेत्र के लिए पहचान फिर गए गैर क्षेत्र या अवनत बन जैसे व्यौरे दें।

(iii) क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वनीकरण या अवनत दंग दर्शीत करने वाले 1:50,000 माप के मूल में रथल परत भारत का सर्वेक्षण और सामीक्ष्य वन सीमाएं संलग्न हैं।

(iv) रोपित की जाने वाली प्रजातियों कार्यन्वयन अभिकरण, समय सूची, लागत संस्थाना आदि सहित क्षतिपूरक वनशोपण स्कीम के ब्यौरे संलग्न हैं (हाँ/नहीं)।

(v) क्षतिपूरक बनरोपण स्कीम के लिए कुल वित्तीय उपरिव्यय :

(vi) क्या धनरेपण के लिए और प्रवधन के दृष्टिकोणों से पहचानने किए गए क्षेत्र की युक्तियुक्तता के बारे में संबद्ध उपवन संस्करण से प्रमाण-पत्र संलग्न हैं (हाँ/नहीं)।

26. वनस्पति और जीव जंतु पर प्रस्तावित कियाकलापों के समाधान से सर्वान्धि महत्वपूर्ण तथा प्रकाश में लोगों वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है (हाँ/नहीं)।

27. स्वीकृति या अन्यथा कारणों के साथ प्रस्ताव के लिए उप बन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिसों ~~सहायते~~ के

स्थान: Ranikhet
तारीख: 19/02/2022

विनिर्दिष्ट सिफारिशों सहस्रों के
 साथ वीष्णुत हैं अग्ररपीठ
 हस्ताक्षर
 नाम शशीकीर्ति मुख्या
 प्रशिलीय बनारसकारी
 मनपोदा बन प्रभारा मनपोदा